पत्थर से टकरा कर बाइक के उड़े परखच्चे, किसान की मौत

सिवनी, देशबन्धु। एमपी के सिवनी में कुरई स्थित घाट कोहका गांव में आज दोपहर 12 बजे के लगभग मोटर साइकल अनियंत्रित होकर पत्थर से टकरा गई। जिससे मोटर साइकल के परखच्चे उड़ गए, वहीं किसान के शरीर पर गंभीर चोटें आने से मौके पर ही मौत हो गई ।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार घाट कोहका गांव निवासी रामप्रसाद सिरसाम उम्र 35 वर्ष पेशे से किसान रहा. रामप्रसाद आज दोपहर 12 बजे के लगभग मोटर साइकल से बादलपुर से कुरई जाने के लिए निकला. जब वह गांव से आगे बढ़ा इस दौरान मोटर साइकल अनियंत्रित होकर पत्थर से टकरा गई । जिससे मोटर साइकल के परखच्चे उड़ गए, वहीं रामप्रसाद के सिर व चेहरे पर गंभीर चोटें आने से मौके पर ही मौत हो गई ।

दुर्घटना होते देख राह चलते लोग रुक गए । जिनकी सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए शासकीय अस्पताल पहुंचाकर मर्ग कायम कर लिया है।

जनसुनवाई में आए 195 आवेदन

सागर, देशबन्धु। कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में आज 195 आम लोगों की समस्याओं को सुना गया और अधिकारियों को तत्परता से आमजन की समस्याओं के निराकरण के निर्देश दिए गए।

इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री विवेक केवी, अपर कलेक्टर रूपेश उपाध्याय, डिप्टी कलेक्टर देवेन्द्र सिंह संयुक्त कलेक्टर आरती यादव, एसडीएम अदिति यादव, सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद थे।राज्य शासन के निर्देश पर आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए प्रत्येक सप्ताह मंगलवार को जनसुनवाई आयोजित की जाती है।

इसी कड़ी में आज कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई हुई। जिले के 195 आवेदकों के प्रकरणों में सुनवाई कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की गई। जनसुनवाई में लोगों की समस्याओं को सुना और उनका निराकरण किया गया।

वीरांगाना रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस पर कार्यक्रम

छपारा, देशबन्धु। वीरांगना रानी दुर्गावती बलिदान दिवस का कार्यक्रम राजा राम सिंह की गढ़ी में 24 जून को दो बजें आयोजित किया गया सर्वप्रथम वीरांगाना रानी दुर्गावती के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर पुष्प अर्पित किया गया। उपस्थित सामाजिक कार्यकर्ताओं ने बलिदान दिवस के अवसर पर उनकी वीरता और साहस पर कहा रानी दुर्गावती एक महान वीरांगना थी।

उन्होंने अपनी वीरता और बलिदान से भारतीय इतिहास में अपनी जगह बनाई रानी दुर्गावती ने अपने पति दलपत शाह की मृत्यु के बाद गढ़ मंडला का शासन संभाला और अपने पुत्र नारायण को राजा बनाने के लिए काम किया।

रानी दुर्गावती ने 24 जून 1564 को अपने जीवन का बलिदान दिया जब उन्होंने अकबर के जुल्म के आगे अपना सर चुकाने से इनकार कर दिया और स्वयं ही अपनी कटार सीने में मारकर आप बलिदान के पथ पर चढ़ गई। रानी दुर्गावती की वीरता और साहस ने उन्हें भारतीय इतिहास में एक महान वीरांगाना का स्थान दिलाया आज हम सभी उन्हें हृदय से सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य ललिता रावेन शाह उईके डी एस परते सकत धुर्वे ब्लांक अध्यक्ष छपारा सुमेरी परते हेमंत बरकडे रामभरोसे उइके सरपंच सुकरी अनक लाल परते शिवशंकर बरकडे़ गयालाल उइके दयाराम सरयाम रामकुमार तेंकाम टेकचंद धुर्वे अरविंद भलावी मनीराम कुमरे आदि बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सार-समाचार

ग्राम देवी में बजरंग दल की समिति गठित

सौसर, देशबन्धु। विहिप अधिकारियों के उपस्थिति मे बजरंग दल की बैठक प्रखण्ड सौंसर के खंड देवी में सोमवार 23/06/25 रात्रि मे संपन्न हुए । बजरंग दल ग्राम समिति का विस्तार विहिप मंत्री गणेश प्रजापति जी की उपस्तिथि में बजरंग दल प्रखण्ड सह संयोजक मनोज पाल जी के द्वारा संगठन का विस्तार करते हुए ग्राम टोली की घोषणा की गयी बैठक में प्रखण्ड सुरक्षा प्रमुख सचिन वाघाड़े एवं संपर्क प्रमुख अनुराग कोसे जी उपस्थित रहे । संगठन की कार्य शैली और हिन्दू समाज के हितो की रक्षा हेतु सदैव मम् दिक्षा हिन्दू रक्षा मंत्र के साथ समर्पण के भाव के साथ कार्य करने की शपथ दिलाकर नवीन दायित्व का प्रभार इस प्रकार दिया गया संयोजक अमोल राउत, सहसंयोजक महेंद्र पातूरकर,बल उपासना प्रमुख शेरन् देहारी, मिलन प्रमुख अभिषेक सोनवाने, सुरक्षा प्रमुख योगी अंबादरे, बैठक में सभी अधिकारियों एवं ग्रामीण समिति के कार्यकर्ताओं की उपस्तिथि रही ।

याद किए गए मुखर्जी

सौसर, देशबन्धु। श्यामा प्रसाद मुखर्जी के पुण्यतिथि पर 23 जून 2025 को पांढुर्णा जिले के 507 बूथों पर बलिदान दिवस के कार्यक्रम का सिलसिला पूरे दिन भर चालू रहा। श्यामा प्रसाद मुखर्जी की बलिदान पर वक्ताओं द्वारा अपने विचार रखे गए। जनसंघ से लेकर जनता पार्टी और भारतीय जनता पार्टी का इतिहास आम जनों तक पहुंचाने का प्रयास किया। साथ ही संकल्प से सिद्धि तक माननीय मोदी जी के 11 वर्ष से स्थानीय समस्या, प्रादेशिक समस्या, राष्ट्रीय समस्या, अंतरराष्ट्रीय समस्या का निराकरण करते हुए सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण के 11 वर्ष में किए गए कार्य का बखान किया गया हमारे प्रेरणास्त्रोत श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान पर भाजपा कार्यकर्ता तथा समाज के लोगों ने भावपूर्ण श्रद्धांजलि समर्पित की। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष संदीप मोहोड़, कार्यक्रम के संयोजक राजेंद्र भक्ते, मोरेश्वर मर्सकोले, सदन साहू, देवदास राउत, मीनाक्षी खुरसुंगे, माया राउत, सतीश बांबल, उत्तम झा, सहित जिले के समस्त मंडल अध्यक्ष व बूथ अध्यक्ष मौजूद रहे।

कार्यपालन अभियंता ने किया वितरण केंद्र का निरीक्षण

गोटेगांव, देशबन्धु । नगर में विगत दिवस कार्यपालन अभियंता नरसिंहपुर द्वारा दिनांक 24 जून 2025 को गोटेगांव उपसंभाग और गोटेगांव शहर वितरण केंद्र का निरीक्षण किया गया। जिसमें उपसंभाग के एरिया स्टोर, ट्रांसफार्मर की उपलब्धता की जानकारी ली गयी। साथ ही 33/11 के0व्ही0 गोटेगांव शहर उपकेंद्र में लॉग बुक, परमिट बुक, आर्थराइजेशन चार्ट, फ्यूज ऑफ कॉल रजिस्टर इत्यादि चेक किये गये एवं 33/11 के व्ही फीडरो में ट्रिपिंग की जानकारी ली गई एवं निर्देशित किया गया कि सभी फीडरो का सही से मेंटेनेंस कर ले और जिससे फीडरो में कम से कम ट्रिपिंग आए इसके लिए लाइन स्टाफ काम करे एवं सभी लाईन कर्मी को सुरक्षा उपकरणों का उपयोग करते हुए सावधानी पूर्वक कार्य करने हेतु निर्देशित किया गया। फीडर फाल्ट होने की स्थिति में इसे तत्काल अटेंड करें और जल्द से जल्द सप्लाई को सुचारू रूप से चालू करें मुख्यालय के लाईन कर्मी से लंबित शिकायतों की जानकारी ली साथ ही निर्देश

दिए गए की 1912 एवं सीएम0 हेल्पलाईन की शिकायतों का निराकरण तत्काल किया जाए, सभी कर्मचारी उपभोक्ता के फोन कॉल उठाएं और सम्मान पूर्वक बात करें। एरियर्स वाले कंज्यूमर के बैंक अकाउंट नंबर एक हफ्ते में 100 प्रतिशत करके लाना है यह भी बताया गया है।जिससे शासन की आने वाली योजनाओं का लाभ उपभोक्ताओं को मिल सके।

शिक्षण सत्र शुरू, तिलक लगा कर किया स्वागत

करेली, देशबन्धु। कार्मेल विद्यालय में 23 जून 2025 को नवीन शिक्षण सत्र का आरंभ हुआ। ग्रीष्म अवकाश के पश्चात सभी छात्र-छात्राओं का पूरे उत्साह एवं मुस्कुराते हुए विद्यालय में आगमन हुआ। शिक्षक-शिक्षिकाओं ने तिलक लगाकर सभी छात्र-छात्राओं का स्वागत किया।

साथ ही साथ नवीन संस्था प्रबंधक फादर जॉनसन, प्राचार्य फादर केल्विन, वित्त प्रबंधक फादर पॉल एवं नवागत शिक्षकों का स्वागत उपप्राचार्या सिस्टर बीना एवं सिस्टर सेलेस्टीना ने पुष्प कुछ भेंट कर किया। संस्था प्रबंधक ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को प्रसन्न रहने, मन लगाकर अध्ययन करने एवं प्रतिदिन की व्यवस्थित दिनचर्या बनाकर उसका अनुसरण करने पर बल दिया। प्राचार्य ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को बेहतर अध्ययन करने के साथ उनके सर्वांगीण विकास पर बल दिया।

लक्ष्मीकांत गोलू नागरे बने पवार समाज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

बिछुआ, देशबन्धु। राष्ट्रीय पंवार क्षत्रिय महासभा भारत के तत्वावधान में गोंदिया (महाराष्ट्र) में मुख्य अतिथि श्रीमती भारती पारधी सांसद, पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन,पूर्व सांसद बोधसिंह भगत, विधायक विजय भाऊ राहंगडाले , विधायक गौरव पारधी ,पूर्व विधायक ओंकार सिंह बिसेन,हेमंत भाऊ पटले,पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष टी.डी.बिसेन ,पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष मुरलीधर टेम्भरे , वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष नंदलाल चौधरी एवं समाज के विशिष्ट जनों की उपस्थिति में आयोजित शपथ ग्रहण एवं राष्ट्रीय आमसभा कार्यक्रम में छिन्दवाड़ा जिलें से राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लक्ष्मीकांत गोलू नागरे एवं महिला समिति सहसचिव पद पर श्रीमति दीपिका महिपाल चोपड़े एवं युवा समिति सहसचिव पद पर सुरेन्द्र चौधरी इन्होंने दायित्व हेतु पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। सभी वरिष्ठजनों का हृदय से आभार धन्यवाद।

आयोजित शिविरों से जनजातीय हितग्राहियों मिल रहा लाभ

सिवनी, देशबन्धु । जनजातीय समुदाय के उत्थान और कल्याण को लेकर भारत सरकार द्वारा धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान चलाया जा रहा है। आयोजित शिविरों का उद्देश्य जनजातीय बाहुल्य ग्रामों का समग्र विकास करना है। जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, जल संरक्षण, आजीविका और मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत सोमवार 23 जून को जिले के आठों विकासखंड की 13 ग्राम पंचायतों में शिविर आयोजित किए गए। जिसमें छपारा विकासखंड के जोगीवाडा, खमरिया एवं इमलीपठार में शिविर आयोजित हुये। इसी तरह घंसौर विकासखंड के बम्हनी, रजरवाडा, कटिया, पिपरिया में, सिवनी विकासखण्ड के झीलपिपरिया, उमरिया, चुटका में, केवलारी विकासखंड के अहरवाडा में, बरघाट विकासखण्ड के उमरवाडा में, कुरई विकासखंड के सेटेवानी में शिविर आयोजित हुए। आयोजित शिविर में जनजातीय हितग्राहियों से पात्रतानुसार योजना के आवेदन लेकर उन्हें लाभांवित करने की कार्यवाही की गई।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत शिविरों में आधार कार्ड, राशन कार्ड, आयुष्मान भारत कार्ड, जाति व निवास प्रमाण पत्र, किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), पीएम किसान सम्मान निधि, जनधन बैंक खाता, बीमा योजनाएं सामाजिक सुरक्षा पेंशन, मनरेगा, मुद्रा लोन, पीएम विश्वकर्मा, पीएम मातृ वंदना योजना, आंगनवाडी सेवाएं और टीकाकरण जैसे अनेक योजनाओं को एक ही स्थान पर उपलब्ध कराया जा रहा है।

दैनिक राशिफल

बुधवार 25 जून 2025 का पंचांग विक्रम संवत् 2082, शक संवत 1947 हिजरी 1446। अषाढ़ कृष्ण पक्ष की अमावस्या, नक्षत्र-मृगशिरा।

मेष - आज आप नए काम आसानी से शुरू कर सकेंगे, परंतु आपके विचारों में स्पष्टता न होने से उलझन बढ़ने की आशंका है। व्यापार में प्रतियोगी को पछाड़ना मुश्किल होगा। अच्छी और लाभदायक यात्रा की संभावना है।

वृषभ - उलझनपूर्ण मानसिकता के कारण महत्वपूर्ण अवसर खो सकते हैं। नए काम शुरू करने के लिए अनुकूल दिन नहीं है। जिद्दी स्वभाव के कारण किसी के साथ मतभेद हो सकता है।

मिथुन - आज आपको लाभ होने की उम्मीद है। दिन आरंभ होते ही आपको स्फूर्ति और ताजगी का अनुभव होगा। मित्रों और सगे- सम्बंधियों के साथ स्वादिष्ट भोजन कर सकेंगे। (क. 125-1236)

कर्क - परिवार में मनमुटाव के अवसर आएंगे, इसलिए मानसिक बेचैनी रहेगी। मन में दुविधा का अनुभव होगा, इसलिए महत्वपूर्ण निर्णय टालना हितकर है। किसी के साथ गलतफहमी या वाद-विवाद होने की संभावना है।

सिंह - आज आपको विविध लाभ मिल सकते हैं। आपकी दुविधापूर्ण मानसिकता के कारण किसी लाभ से वंचित रह सकते हैं।

कन्या - नए काम का आरंभ करने के लिए अपने जो योजना बनाई है, उस पर अमल करने के लिए यह समय बहुत अनुकूल है। बिजनेस में भी लाभ होने का योग है। नौकरी करने वाले लोगों की पदोन्नति का योग है।

तुला - बुद्धिजीवियों या साहित्य प्रेमियों के साथ मुलाकात से आपके ज्ञान में बढ़ोतरी होगी। अच्छा समय व्यतीत करेंगे। नए काम का आरंभ कर सकेंगे। लंबी दूरी की यात्रा या तीर्थस्थान जा सकते हैं।

वृश्चिक - आपको पेट दर्द, दमा, खांसी जैसी तकलीफें हो सकती हैं, इसलिए स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शरीर और मन अस्वस्थ रहने से बेचैनी रहेगी। क्रोध पर नियंत्रण रखना पड़ेगा। कड़े नियम आपको कठिनाई में डाल देंगे। खर्च बढ़ सकता है।

धनु - आज खुशी, आनंद और शांति प्राप्त कर सकेंगे। अच्छे वस्त्र, मित्रों के साथ घूमना- फिरना और स्वादिष्ट भोजन आपके दिन को आनंदमय बनाएंगे। सार्वजनिक जीवन में आप प्रतिष्ठा और सम्मान प्राप्त कर सकेंगे।

मकर - आपकी तंदुरुस्ती आज अच्छी रहेगी। आप मान- सम्मान तथा आनंद प्राप्त कर सकेंगे। पारिवारिक सदस्यों के साथ मौज-मस्ती में समय बिताएंगे। आज व्यापार धंधे में अच्छा लाभ हो सकेगा।

कुंभ - आपका दिन मिश्र फलदायक साबित होगा। विचारों के उथल-पुथल के कारण कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लेना अधिक अच्छा है। प्रवास या यात्रा में विघ्न आ सकता है।

मीन - आज आप में ताजगी और स्फूर्ति का आभाव रहेगा। माता की तबीयत खराब हो सकती है। परिजनों के साथ नाराजगी और अन्य कठिनाइयां आपके मन को भयभीत कर देंगी। (मा.560-138)

2,4,7,9,21,44,72,99,05,41,25,61

सावधान रहें, 50 वर्ष पहले लगा था आपातकाल

नरसिंहपुर, देशबन्धु। आजादी के बाद देश के लोकतांत्रिक इतिहास में 25 जून 1975 मनहूस काला दिन है। इस दिन दुनिया की श्रेष्ठतम शासन व्यवस्था लोकतंत्र को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपनी सत्ता की भूख के लिये सारे संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन कर मध्यरात्रि में देश पर आपातकाल लगाकर अपनी तानाशाही स्थापित कर दी। देश की वर्तमान पीढ़ी को इस काले इतिहास के सारे घनाक्रम को जानना बहुत जरूरी है, इससे आने वाले समय में देश की चेतना लोकतंत्र की चुनौतियों व खतरों से सतर्क रहें। लोकतंत्र चिरजीवी होकर अबाध गति से स्थापित रहे। वर्तमान सरकार ने इस दिन को संविधान हत्या दिवस घोषित कर बड़ा काम किया है। नई पीढ़ी की लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति निष्ठा बढ़े, इसके लिए इस दिन एक श्रेष्ठ कार्यक्रम का आयोजन अम्बेडकर भवन दिल्ली में किया गया है। अन्य संस्थान, पत्रकार, लेखक, पूरे देश में इस काले इतिहास पर 25 एवं 26 जून को विभिन्न आयोजन कर रहे हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि देश में लोकतंत्र के प्रति हमारी आस्था कितनी गहरी है।

देश को यह जानना नितांत आवश्यक है कि 12 जून 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी का चुनाव इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया था। उनके ही दल में कांग्रेस में विचार-विमर्श हुआ कि वर्तमान में जो चुने हुये प्रतिनिधि है, वे बैठकर अपने नये नेता का चुनाव कर लेंगे। दूसरे दिन बैठक में निर्णय होना था, परंतु 25 जून 1975 की मध्य रात्रि में आनन- फानन में इमरजेंसी घोषित कर दी गई। इंटरनल इमरजेंसी के लिए यह आवश्यक है देश के आधे से अधिक प्रदेश जब लिखित में ये मांग करें कि हमारे यहां कानून व्यवस्था की स्थिति खराब है, तब केन्द्रीय मंत्रिमंडल में सबकी सहमति से राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद देश के भीतर आपातकाल घोषित हो सकता है। ऐसी किसी भी प्रक्रिया का पालन किये बगैर उस समय के तत्कालीन राष्ट्रपति द्वारा हस्ताक्षर करके अवैधानिक तरीके से देश पर आपातकाल थोपने का पाप किया गया। काश उस समय संविधान के प्रति आस्था रखने वाले राष्ट्रपति होते, तो इस तानाशाही और नृशंसता से देश बच जाता। व्यक्तिनिष्ठा भय में काम करने वाले सदैव देश के लिये खतरा बनते हैं।

आपातकाल के संघर्ष को नई पीढ़ी को जानना बेहद जरूरी

आपातकाल लगाने के समय दूसरा पाप इस देश की न्यायपालिका ने किया। इतिहास में इस देश ने वह न्यायपालिका भी देखी जब तीन- तीन सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों को सुपर सीड करके अपनी मर्जी से मुख्य न्यायाधीश बनाये गये। देश के सामने बेशर्मी के साथ भूतलक्षी प्रभाव से कानूनों में परिवर्तन करके श्रीमती इंदिरा गांधी ने अपने पक्ष में निर्णय लिया। देश के 9 उच्च न्यायालयों के निर्णयों को बदलकर उच्चतम न्यायालय की संविधान पीठ ने 4- 1 के सहमत से आपात काल को वैध घोषित कर दिया, इसमें वो जज भी शामिल थे, जो वरीयता तोड़कर बनाये गये थे। काश न्यायपालिका उस समय ठीक निर्णय कर पाती तो देश को आपातकाल नहीं भोगना पड़ता।

श्रीमती गांधी द्वारा अपनी सत्ता के लिये पूरे देश को कारागार बना दिया गया। देश के महान विचारक, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, लोकनायक जयप्रकाश नारायण, अटल जी, जार्ज फर्नांडीज, सर्वोदयी, समाजवादी, भारतीय जनसंघ, आर.एस.एस., आनंदमार्गी, कांग्रेस सहित विभिन्न दलों के भी नेताओं को जेलों में बंद कर दिया गया। दो सौ से अधिक पत्रकार, विदेशी पत्रकार देश में प्रतिबंधित कर दिये। एक लाख 8 हजार से अधिक लोगों को मीसा डी.आई.आर. में और हजारों लोगों को धारा 151 में बंद कर दिया गया। मीडिया पर पाबंदी लगा दी गई। इस बारे में कोई अपील कोर्ट में नहीं की जा सकती थी। देश में पुलिस को असीमित अधिकार दे दिये गये थे।

दुनिया मानती है कि हिंदुस्तान के लोगों के खून में ही लोकतंत्र है। यहां के संस्कारों में सभी को समान रूप से जीवन यापन की आजादी है। कुछ समय के लिए लोकतांत्रिक मूल्यों में अस्थिरता आ सकती है, परंतु देश फिर ताकत के साथ खड़ा हो जाता है।आपातकाल के सबसे बड़े याद्धा वे रहे, जिन्हें जेलों में बंद कर दिया गया था। जेल से छूटने का समय निश्चित नहीं था। कैदियों को तो मालूम था कि वे कब छूटेंगे, परंतु राजनैतिक बंदियों को नहीं पता था। आपातकाल के दौरान जेल के भीतर कई लोग पागल हो गये, 100 से अधिक लोगों की असमय मौत हो गई। इन सबके बावजूद आर.एस.एस. के आव्हान पर आपातकाल से आजादी और लोकतंत्र को बहाल करने के लिए आंदोलन चलाये गये। आंदोलन के दौरान हजारों लोगों को जेल में डाला गया। उन्हें इ?तनी यातनायें दी गई कि कुछ लोगों की असमय मौत भी हो गई। डॉ. सुब्रमण्यम स्वामी सहित लोकतंत्र में आस्था रखने वाले अन्य लोगों ने दुनिया में अपनी बात पहुंचाई, ताकि देश में लोकतंत्र को सुरक्षित रखा जा सके। आपातकाल के संघर्ष को अटल जी और जार्ज फर्नांडीज ने आजादी की दूसरी लड़ाई बताया। लोकतंत्र की पुनर्स्थापना के लिए संघर्ष करने वालों को सम्मान देने का निर्णय सबसे पहले उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री मुलायम सिंह ने किया, जिसे बाद में मुख्यमंत्री रही सुश्री मायावती ने बंद कर दिया। इस पर इलाहाबाद हाई कोर्ट ने अपने निर्णय में कहा कि यह उचित नहीं है। देश की नई पीढ़ी को आपातकाल के संघर्ष को जानना बेहद जरूरी है, ताकि देश में लोकतांत्रिक मूल्यों को बरकरार रखा जा सके। साथ ही लोग लोकतंत्र के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा ले सकें।

कैलाश सोनी, पूर्व राज्यसभा सांसद एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष लोकतंत्र सेनानी संघ